SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): Sir, it is his maiden speech.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is the Zero Hour. ...*(Interruptions)*... No maiden speech in Zero Hour. The point he has made is very valid and very important.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. NAJMA A. HEPTULLA (Madhya Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI D. BANDYOPADHYAY (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K.N. BALAGOPAL (Kerala): Sir, associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, all of us associate. Everybody is applauding and that means everybody agrees with it. The Government may consider this seriously. I have myself presented a Resolution in these lines earlier. Government may please consider it. Now, Shri Sanjiv Kumar.

Para teachers crisis in the State of Jharkhand

श्री संजीव कुमार (झारखंड): श्रद्धेय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस संसद का और केन्द्र सरकार का ध्यान झारखंड के पैरा शिक्षकों की दयनीय स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। झारखंड में 20 हजार से भी ज्यादा पैरा शिक्षक हैं। वहां पर लोअर प्राइमरी-मिडल स्कूलों में सरकारी शिक्षक नहीं हैं। जितने भी लोअर प्राइमरी-मिडल स्कूल के शिक्षण संस्थान हैं, वहां ये पैरा टीचर्स पढ़ाते हैं। झारखंड की जितनी भी inaccessible जगह हैं, वहां पर ये पैरा शिक्षक पढ़ाने का काम करते हैं। For all practical purposes, झारखंड में लोअर प्राइमरी और मिडल स्कूलों में ये पैरा टीचर्स एजुकेशन का काम संभाल रहे हैं। महोदय, इनको कोई salary नहीं मिलती है। इनको honorarium के नाम पर 5 हजार से 6 हजार तक महीना मिलता है। ये पढ़ाई के अलावा जनगणना, इलेक्शन ड्यूटी, एग्ज़ामिनेशन ड्यूटी, आदि काम भी करते हैं। दुर्गम जगहों पर, जहां और सरकारी शिक्षक नहीं पहुंच सकते हैं, ये लोग वहां पर जाकर पढ़ाने का काम करते हैं। इन 20 हजार से भी ज्यादा पैरा शिक्षकों का काम कई वर्षों से चल रहा है। वे स्थायित्व चाहते हैं और सम्मानजनक जिन्दगी जीना चाहते हैं। यह तभी होगा, जब उनकी तनख्वाह थोड़ी सी बढ़ाई जाए। महोदय, राज्य सरकार यह बात कहती है कि उनका टोटल प्लान बजट ही 15,800

करोड़ रुपए का है, इसलिए वह इन पैरा टीचर्स को स्थायित्व नहीं दे सकती है या इनकी तनख्वाह नहीं बढ़ा सकती है। अपोजीशन पार्टी यह कहती है कि यदि हम पावर में आ गए, तो हम तुरंत यह problem solve कर देंगे।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि इस विकट परिस्थिति में वह intervene करे। झारखंड बहुत कुछ देता है। केन्द्र एक special package के साथ, आर्थिक पैकेज के साथ जाए। वहां अभी कोई सरकार नहीं है। गवर्नर साहब से या जो उचित फोरम में हैं, उनके साथ मिल कर वह इस समस्या का समाधान करे, क्योंकि यह केवल 20 हजार पैरा टीचर्स की बात नहीं है, यह 60 हजार परिवारों की बात है, ताकि झारखंड से इन पैरा टीचर्स की समस्या solve हो सके, 20 हजार से ज्यादा पैरा टीचर्स सम्मानजनक जिन्दगी जी सकें और अपनी ड्यूटी अच्छी तरह से कर सकें। धन्यवाद।

Alarming situation in India's neighbouring country

डा. नज़मा ए. हेपतुल्ला (मध्य प्रदेश): सर, मैं आज आपके सामने आपकी अनुमति से सरकार और देश के सामने एक बहुत ही अफसोसनाक मसले के ऊपर बात करना चाहती हूं कि जिस दिन पाकिस्तान के प्राइम मिनिस्टर अजमेर शरीफ के अन्दर दुनिया की peace के लिए दुआ कर रहे थे, उस दिन उनके मुल्क में क्रिश्चियंस के साथ, माइनॉरिटीज़ के साथ क्या बर्ताव हो रहा था। एक alleged बात कही गई कि किसी ने blasphemy की बात कही। उसके बाद ही लाहौर के अन्दर जितनी भी क्रिश्चियन कॉलोनीज़ थीं, उनको तोड़-फोड़ दिया गया और उनमें आग लगा दी गई।

पाकिस्तान के अन्दर हिन्दुओं के साथ, जो पार्टिशन के बाद वहां चले गए थे, इतना genocide हुआ कि आज वे माइनॉरिटी में आ गए हैं। उनकी लड़कियों को कन्वर्ट किया जाता है। शियाओं की मस्जिदों में जाकर गोलियां चलाई जाती हैं। बहाई लोगों के साथ भी इसी तरह का सुलूक किया जाता है, जबकि हमारे हिन्दुस्तान में माइनॉरिटी अफेयर्स के लिए मंत्री बनाए जाते हैं। जब हमारे नेबरहुड में इस तरह के वाक़यात होते हैं, उसका इफेक्ट हमारे समाज पर भी पड़ता है और उसके repercussions हमारे यहां भी होते हैं।

मैं सरकार से यह मांग करना चाहती हूं कि क्यों नहीं वह इन मामलों को इंटरनेशनल लेवल पर उठाती है? यह ह्यूमेन राइट्स का इश्यू है। माइनॉरिटी के साथ इस तरह का सुलूक किया जाएगा तो मैं इस चीज़ को कन्डेम करती हूं, साथ ही उम्मीद करती हूं कि मेरे हाऊस के सब भाई इस बारे में अपनी राय देंगे और जो हालात हैं, उन्हें कन्डेम करेंगे।

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): सर, मैं इस इश्यू से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजीव प्रताप रूडी (बिहार): सर, मैं भी इस इश्यू से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।